C. S. (Main) Exam : 2011

Sl. No.

D–DTN–L–NJB

MAITHILI

Paper—II

(Literature)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any THREE of the remaining questions, selecting at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers must be written in Maithili.

Section—A

1. निम्नलिखित अवतरणक भावकें स्पष्ट करैत एकर काव्य-वैशिष्ट्यकें निर्दिष्ट कए सप्रसंग व्याख्या करू (उत्तर अधिकतम *150* शब्दमे दातव्य) : 15×4=60

   (क) अभियान करक अछि आइ शक्ति-संचय हित
   अभियान हमरं सत्पथ पर दृढ़ निश्चय हित
   दानवताकें निर्मूल करय भूतलसँ
   अभियान हमर ई निज शक्तिक परिचय हित।

(ख) अनल अनिल बम मलयज बीख
जे छल सीतल से भेल तीख॥
चान्द सन्ताबए सविताहु जीनि
नहि जीवन एकमत भेल तीनि॥
किछु उपचार न मानए आन
एहि बेआधि अधिक पचवान॥

(ग) पाबि पराभव जे बैसथि कर जोड़ि
करइत अपन सहन शक्तिक व्यवहार
पौरुष तनिक सिरजि बहुविध सन्ताप
होइछ व्यर्थ यथा यौवन विधवाक।

(घ) बनिआ-लीडर-अफसर तीन त्रिमूर्ति,
क रहला अछि अपन मनोरथ पूर्ति।
अपना लए सभ अनका हेतु बड़ौर,
तइपर फाटन्हि रहि-रहि कतै बुकौर।

2. (क) 'सुन्दर-काण्ड'क आधार पर कवीश्वर चन्दा झाक काव्य-सौष्ठवक विवेचना करू। 30

(ख) "कवीश्वर चन्दा झा अपन रामायणक रचना अध्यात्म रामायणक आधार पर कएल, ओ से मूलसँ ततेक अधिक मिलैत अछि जे एकरा अधिकांशतः अध्यात्म रामायणक अनुवाद कही तँ दोष नहि"—एहि कथनक सत्यता प्रमाणित करू। 30

3. (क) सामाजिक कुचक्रमे पिसाइत नारीक मनोवैज्ञानिक अन्तर्द्वन्द्वकेँ चित्रित करएमे 'यात्री'जी अत्यन्त संवेदनशील छथि—'चित्रा'क आधार पर एहि उक्तिक समीक्षा करू। 30

(ख) तन्त्रनाथ झा-द्वारा रचित 'कीचक-वध' महाकाव्यक आधार पर हुनक काव्य-प्रतिभाक परिचय दिअ। 30

4. (क) 'कृष्ण-जन्म' महाकाव्य अछि—प्रमाणित करू। 30

(ख) भाव, भाषा ओ काव्य-सौष्ठव तीनू दृष्टिएँ गोविन्ददासक रचना नारिकेल फलसम्मतक रसास्वादन करबैछ—एहि उक्तिक समीक्षा करू। 30

Section—B

5. निम्नलिखित गद्यांशक अभिव्यंजनागत ओ कथ्यगत वैशिष्ट्यकेँ निर्दिष्ट करैत सन्दर्भ-सहित व्याख्या करू (उत्तर अधिकतम *200* शब्दमे दातव्य) : 20×3=60

(क) भाषाक विकासो तँ सरकारेक कर्त्तव्य छैक। जतेक सहयोगक आशा हमरालोकनि सरकारसँ करैत छी की तकर दसमांसो पूरा भेल? कतेको बहुमूल्य ग्रन्थ लिखल राखल अछि, तकरा दिवार खा रहल छै। एकर प्रकाशनक व्यवस्था होयबाक चाही कि नै? ताहि लेल सरकार की कऽ रहल अछि?

(ख) असलमे धरती जोतनिहारक थिक। हरबाह थिक जे धरतीक असल बेटा थिक। जे अपन पसेनासँ धरती-माताकेँ पूजै अछि। कएदिन देखलहक अछि मालिककेँ अपन पसेनासँ धरती-माताक पूजा करैत? देखहक सरकारी कानून त' जरूर सोचि विचारिक' बनै छैक ने। बटीदारक नामे खाता कि सिकभी-खाता खोलबाक कानून जरूर कोनो इनसाफसँ बनल हेतैक। हम सभ निपढ़ छी तइँ भने नै बुझियै, मगर ई सोचबाक चाही जे सब कानूनक पाछाँ कोनो निसाफ जरूर रहै छैक।

(ग) महादेव त्रिलोचन छलाह। हमरो लोकनि त्रिलोचन छी। तेसर आँखिसँ केवल अनकर छिद्रटा सुझैत अछि। महादेव नीलकण्ठ रहथि। हमरो लोकनिक कण्ठमे केहन विष रहैत अछि से दूगोटाक विवाद भेला पर प्रत्यक्ष देखि लैह। महादेवक छाती पर साँप लोटाइत रहैन्हि। हमरो लोकनिकेँ स्वजातीयक अभ्युदय देखि छाती पर साँप लोटाय लगैत अछि।

6. (क) 'लोरिक विजय' उपन्यास लोक संघर्षक सप्राण दस्तावेज अछि—एहि कथनक सार्थकता सिद्ध करू। 30

(ख) 'खट्टर-ककाक तरंग'क माध्यमसँ लेखक सामाजिक कुप्रथा पर व्यंगात्मक रूपसँ प्रहार कएलन्हि अछि—स्पष्ट करू। 30

7. (क) "जिबैत रहब पहिने जरूरी छैक संसारमे, तखन लोक-लाज, नीक-बेजाय" प्रस्तुत वाक्य-खण्डक आलोकमे 'पृथ्वीपुत्र' उपन्यासक तर्कसंगत समीक्षा करू। 30

(ख) 'भफाइत चाहक जिनगी'मे लेखक की अभिप्राय छन्हि—युक्तियुक्त विवेचन करू। 30

8. (क) पठित अंशक आधार पर कतोक समीक्षाक द्वारा 'वर्ण रत्नाकर'केँ 'वर्णन रत्नाकर' कहबाक औचित्यक समीक्षा करू। 30

(ख) मैथिली साहित्यमे राजकमल चौधरीक योगदानक चर्चा करू। 30

★ ★ ★